Model Question Paper
Hindi MIC – 1 / MDC - 1

Class: Under Graduate Semester 1 (Session: 2023-2027)

Time: 3 Hours l **Max. Marks: 70**

Group : A , बहुवैकल्पिक प्रश्न - 10 x 2 = 20

1 सही विकल्प चुनें -

(क) आदिकाल को सिद्ध सामंत काल किसने कहा ?

१. राहुल सांकृत्यायन

२. महावीर प्रसाद द्विवेदी

३. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

४. मिश्र बंधु

(ख) हिंदी साहित्य के उत्तर मध्यकाल को रीतिकाल नाम किस आचार्य ने दिया ?

१. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

२. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

३. आचार्य नलिन विरोचन शर्मा

४. रामविलास शर्मा

(ग) कबीर, तुलसीदास, रहीम, सूरदास आदि किस काल के कवि हैं ?

१. आधुनिक काल

२. रीतिकाल

३. आदिकाल

४. भक्तिकाल

(घ) आधुनिक काल का प्रारंभ किस युग से माना जाता है ?

१. द्विवेदी युग

२. भारतेंदु युग

३. छायावाद

४. छायावादोत्तर युग

(ङ) नवजागरण काल को किस प्रसिद्‌ध साहित्यकार के सम्मान में द्विवेदी युग कहा जाता है ?

१. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी
३. उपर्युक्त दोनों
४. इनमें से कोई नहीं

(च) जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा किस वाद या युग के कवि गण हैं ?

१. साठोत्तरी कविता
२. प्रयोगवादी युग
३. प्रगतिवादी युग
४. छायावादी युग

(छ) प्रगतिवादी काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं -

१. नागार्जुन, त्रिलोचन, केदारनाथ सिंह आदि
२. विद्यापति, चंदबरदाई, दलपति विजय आदि
३. केशव, चिंतामणि, देव, बिहारी आदि
४. इनमें से कोई नहीं।

(ज) प्रयोगवादी काव्यधारा का उन्मेष किस पत्रिका से माना जाता है ?

१. हिंदी प्रदीप
२. माधुरी
३. तारसप्तक (1943)
४. नयी कविता (1954)

(झ) नयी कविता आंदोलन की शुरुआत किस पत्रिका के माध्यम से हुई ?

१. नयी कविता (1954)

२. तारसप्तक (1943)

३. सरस्वती

४. साहित्य अमृत

(ञ) सन 1960 के बाद की कविता में असंतोष, अस्वीकृति और विद्रोह का स्वर बहुत साफ तौर पर उभरा है। इसे दर्ज करने वाले काव्य आंदोलन को किस नाम से जाना जाता है ?

१. नयी कविता

२. छायावादी कविता

३. प्रगतिवादी कविता

४. साठोत्तरी कविता

Group - B , लघु उत्तरीय प्रश्न, अंक (4 x 5 = 20)

2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें ।

(क) रीतिकाल की काव्य प्रवृतियों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

(ख) सगुण भक्ति धारा के प्रमुख कवियों का परिचय दें।

(ग) हिंदी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख विशेषताओं और प्रवृतियों का नामोल्लेख करें।

(घ) भारतेंदु युग पर टिप्पणी लिखें।

(ङ) नई कविता आंदोलन का परिचय दें।

(च) प्रगतिवाद के प्रमुख कवियों का परिचय दें।

(छ) हिंदी गद्य के विकास की परंपरा को रेखांकित करें।

(ज) उत्तर छायावाद (छायावाद के बाद के) के किसी भी आंदोलन के चार कवियों का परिचय दें।

(झ) हिंदी गद्य के विकास में भारतेंदु हरिश्चंद्र के योगदान की चर्चा करें।

Group - C , दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, अंक (3 x 10 = 30)

3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें -

(क) द्विवेदी युग का नामकरण किनके नाम पर है और क्यों ? इसे हिंदी साहित्य का नवजागरण काल क्यों कहा जाता है ?

(ख) छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृतियों और विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

(ग) प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित करें।

(घ) प्रगतिवादी काव्यधारा के केंद्र में किनके प्रगति की धारणा निहित है। इस काव्यधारा की विशेषताओं को लिखें।

(ङ) भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा माना जाता है?

(च) आदि काल के नामकरण और काल विभाजन की समस्याओं पर विचार करें।

(छ) रीति बद्ध, रीति सिद्ध और रीति मुक्त काव्यधारा के कवियों का परिचय दें। यह वर्गीकरण क्यों किया गया ?

(झ) साठोत्तरी काव्य आंदोलन की कविताओं का मूल स्वर क्या है ?